

प्रेषक,

सुभाष कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य राजस्व आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

राजस्व अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 05 मार्च, 2009

विषय:-12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत भवनों के अनुरक्षण हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-184/सी0आर0सी0/2008 दिनांक 04.12.2008 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत आवासीय/अनावासीय भवनों के अनुरक्षण हेतु संलग्न में उल्लिखित कार्यों के आगणन रु0 90.89 लाख के विरुद्ध टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त रु0 83.24 लाख की धनराशि को औचित्यपूर्ण पाया गया है। एच0एल0सी0 द्वारा अनुमोदित संलग्न कार्य योजना के अनुसार कुल रु0 83.24 लाख (रु0 तिरासी लाख चौबिस हजार मात्र) की धनराशि पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि को वर्तमान वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये। आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाये।
- 5- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

- 6- निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्येज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाये।
- 7- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता से कार्य स्थल का भली भांति निरीक्षण लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराये जाए।
- 8- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी।
- 9- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 10- जी0पी0डब्लू0 फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 13- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2008 तक पूर्ण उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र माह अप्रैल 2009 तक प्रत्येक दशा में शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 14- जनपदों को धनराशि अवमुक्त करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि संलग्न कार्य योजना के लिये पूर्व में मुख्य राजस्व आयुक्त के स्तर से कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की गई है।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 लेखाशीर्षक-2059-लोक निर्माण कार्य-80-सामान्य-053-रख-रखाव तथा मरम्मत-आयोजनेत्तर-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत भवनों का अनुरक्षण-29- अनुरक्षण के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-714NP/XXVII(5)/2009 दिनांक 27 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(सुभाष कुमार)
प्रमुख सचिव।

संख्या-417 (2)/XVIII(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।

5. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. निजी सचिव, मा0मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-5
9. वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,




(सन्तोष बड़ोनी)

अनुसचिव। //

क्र० सं०	जनपद	कार्य का विवरण	धनराशि (रु० में)	टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित लागत (रु० लाख में)
1	देहरादून	कलेक्टर भवन का जीर्णोद्धार व मरम्मत कार्य	4650000	43.54
2	पौड़ी	पटवारी चौकी कटुलस्यू का मरम्मत कार्य	91500	0.88
3	रूद्रप्रयाग	तहसील उखीमठ के कार्यालय भवन के विद्युतिकरण कार्य	254000	2.45
4	चमोली	तहसील थराली के अनावसीय भवनों की मरम्मत कार्य	131000	1.21
5	"	तहसील थराली के आवासीय भवनों की मरम्मत	95000	0.96
6	हरिद्वार	जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय का जीर्णोद्धार कार्य	124000	1.17
7	"	कलेक्टर भवन के शैचालयों का अनुरक्षण कार्य	360200	3.13
8	पिथौरागढ़	तहसील मुन्स्यारी के अनावसीय भवनों की मरम्मत कार्य	1936000	17.58
9	उधमसिंह नगर	तहसील बाजपुर के अनावसीय भवनों की मरम्मत/रंगाई पुताई का कार्य	648000	4.60
10	आयुक्त कुमाऊँ मण्डल,	आयुक्त कार्यालय की विशेष मरम्मत कार्य	800000	7.73
		कुल योग	9089700	83.24

(रु० तिरासी लाख चौबिस हजार मात्र)


(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।